सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 309 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 17 दिसम्बर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

आज वैश्विक निर्भरता का अर्थ यह है कि विकासशील देशों में आई आर्थिक आपदाएं विकसित देशों में संकट ला सकती हैं।

-अटल बिहारी वाजपेयी

सीरीज पर कजा करने के इरादे से... 7 | अब नेताओं की नजर 2026... 3 | नए बिल से बढ़ेगा केंद्र व राज्यों... 2

मनरेगा पर केसरिया चादर 'जी राम जी'

क्या गांधी को योजनाबद्ध तरीके से हटाया जा रहा है

- रोजगार नहीं भावनाएं परोस रही है सरकार आर्थिक सवालों से धार्मिक मोड़
- आज मनरेगा बना जी राम जी कल राशन पेंशन और छात्रवृत्ति की बारी
- नाम बदलना कोई प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं यह वैचारिक हस्तक्षेप है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मनरेगा बोले तो महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम पर भी नाम बदलने वाला सरकारी हथौड़ा चल चुका है। मनरेगा कोई योजना नहीं थी यह संविधान के अनुच्छेद 41 की जमीन पर खड़ा वह कानून था जो राज्य को यह याद दिलाता था कि रोजगार कोई उपकार नहीं बल्कि अधिकार है। अब उसी अधिकार का नाम बदलकर 'जी राम जी' किया जा रहा है।

सरकार इसे सांस्कृतिक सम्मान कह सकती है लेकिन सच यह है कि यह कानूनी अधिकार को धार्मिक प्रतीक में ढालने की प्रक्रिया है। यह बदलाव कागज पर छोटा लग सकता है लेकिन इसके राजनीतिक और सामाजिक निहितार्थ बेहद गहरे हैं। आज अगर रोजगार योजना का नाम बदला जा सकता है तो कल क्या पेंशन योजनाओं का नाम बदला जाएगा? क्या छात्रवृत्तियां आस्था के अनुरूप होंगी? क्या कल्याणकारी राज्य की पहचान नागरिकता से हटकर विश्वास पर आधारित होगी? यह सवाल हवा में नहीं उठाए जा रहे। यह सवाल सरकार की कार्यशैली से पैदा हो रहे हैं।

गांधी से असहजता संयोग नहीं रणनीति!

कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने सवाल पूछा है कि गांधी के नाम से क्या तकलीफ है? वह कहते हैं कि यह तकलीफ अचानक नहीं पैदा हुई। पिछले दस वर्षों में एक व्यवस्थित कोशिश दिखाई देती है। पहले सरकार ने गांधी को पाठ्यक्रमों से किनारे किया फिर गांधी को अप्रासंगिक बताना शुरू किया गया। गांधी की जगह अन्य प्रतीकों को स्थापित किया जा रहा है। मनरेगा का नाम बदलना उसी श्रृंखला की अगली कड़ी है। उनके मुताबिक यह सिर्फ एक नाम हटाना नहीं है। यह उस विचार को हटाने की कोशिश है जिसमें राज्य की जिम्मेदारी गरीब के प्रति थी।

सबसे कमजोर दौर में मनरेगा

मनरेगा आज अपने सबसे कमजोर दौर में है। ग्रामीण भारत में काम के दिन घटे हैं। भुगतान महीनों तक लटका रहता है। बजट वास्तविक ज़रूरतों से कम है। राज्य सरकारें केंद्र से पैसा न मिलने की लगातार शिकायत कर रही हैं। पश्चिम बंगाल झारखंड समेत तमाम राज्यों की सरकारों ने केन्द्र सरकार पर इस योजना के तहत राज्य को मिलने वाले अनुदान को नहीं मिलने के आरोप लगाये हैं। विपक्ष का आरोप है कि इन सब पर विषयों पर बहस होनी चाहिए थी। लेकिन सरकार नाम बदलने की बहस कर रही है। विपक्षी नेताओं का कहना है कि यह वही रणनीति है जिसमें असफलता को छुपाने के लिए प्रतीकों का शोर खड़ा किया जाता है। जब काम नहीं दिखता तब नाम चमकाया जाता है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा है कि सरकार गरीब से यह नहीं कह रही कि हम तुम्हें समय पर मजदूरी देंगे। बल्कि सरकार यह कह रही है कि हम तुम्हें एक नया नाम देंगे। उनके मुताबिक यह कल्याण नहीं यह ध्यान भटकाने की राजनीति है।

विकास बनाम अधिकार

विपक्ष कहता है कि सरकार बार-बार विकसित भारत का नारा देती है। लेकिन विकसित समाज वह नहीं होता जहां योजनाओं के नाम भव्य हों। विकसित समाज वह होता है जहां मजदूरी समय पर मिले। काम की गारंटी तय हो। मजदूर और कामगारों के हितों में कानून मजबूत हो। गौरतलब है कि मनरेगा का सबसे बड़ा गुण उसका नाम नहीं उसका शब्द था गारंटी। 'जी राम जी बिल 2025' में यह शब्द खोता दिख रहा है। गारंटी की जगह भावना, कानून की जगह कथानक, और अधिकार की जगह आस्था। यह बदलाव सिर्फ भाषा का नहीं है यह राज्य और नागरिक के रिश्ते का पुनर्लेखन है।

कौन कर रहा है राजनीति

आरपी सिंह कहते हैं कि विपक्ष को इस मुद्दे पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। लेकिन सवाल यह है कि नाम बदलना राजनीति नहीं है? गांधी को हटाना राजनीति नहीं है? आस्था को नीति में घसीटना राजनीति नहीं है? अगर यह राजनीति नहीं है तो फिर राजनीति किसे कहते हैं? विपक्ष सवाल पूछ रहा है सरकार दिशा बदल रही है। संवैधानिक भारत से सांस्कृतिक राज्य की ओर? भारत का संविधान किसी एक धर्म एक संस्कृति या एक विचार का दस्तावेज नहीं है। यह विविधताओं के बीच संतुलन का अनुबंध है। जब कल्याणकारी योजनाओं के नाम धार्मिक प्रतीकों से जोड़े जाते हैं तब राज्य तटस्थ नहीं रहता। तब राज्य धीरे-धीरे नैतिक उपदेशक बनता है प्रशासक नहीं। आज यह मनरेगा है। कल यह कुछ और होगा। इतिहास बताता है कि जब राज्य नागरिक को अधिकार के बजाय पहचान से देखना शुरू करता है तब लोकतंत्र का क्षरण होता है धीरे लेकिन स्थायी रूप से। यह सिर्फ आज की बहस नहीं आने वाले भारत की पटकथा है।

सरकार अपना एजेंडा थोप रही है : पुष्पेंद्र सरोज

पुष्पेंद्र सरोज का कहना है कि सरकार अपना एजेंडा थोप रही है। यह आरोप भावनात्मक नहीं संरचनात्मक है। यह बिल पूछता है कि क्या भारत का कल्याण माडल बदलेगा? क्या अधिकार आधारित योजनाएं प्रतीक आधारित बनेंगी? क्या नागरिक की पहचान उसके काम से नहीं उसके विश्वास से तय होगी? इन सवालों का जवाब आज संसद में नहीं मिलेगा। इनका असर आने वाले वर्षों में दिखेगा। नाम बदलने से इतिहास नहीं बदलता सरकार

चाहे जितनी बार नाम बदले गरीब का सवाल वही रहेगा काम मिलेगा या नहीं, संविधान का जवाब साफ है मिलेगा यह तुम्हारा अधिकार है। अगर यह अधिकार भावनाओं की भीड़ में खो गया तो यह सिर्फ एक योजना की हार नहीं होगी। यह गणराज्य की हार होगी। और यही वजह है कि 'जी राम जी बिल 2025' एक साधारण विधेयक नहीं है यह भारत की आत्मा पर लिखा गया अब तक का सबसे तीखा राजनीतिक प्रश्न है।

नए बिल से बढ़ेगा केंद्र व राज्यों में टकराव : अखिलेश

» बोले सपा प्रमुख- उत्तर प्रदेश की नकल कर रहा है केंद्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और लोकसभा सांसद अखिलेश यादव ने वीबी-जी राम जी विधेयक की आलोचना करते हुए भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने यह भी दावा किया कि यह विधेयक राज्य सरकारों पर पूरा बोझ डालेगा। अखिलेश यादव ने कहा कि नए विधेयक के तहत 60:40 के अनुपात में निधि के बंटवारे से केंद्र और राज्यों के बीच टकराव पैदा होगा। उन्होंने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) का नाम बदलने को लेकर केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि केंद्र सरकार उत्तर प्रदेश सरकार की नकल कर रही है।

यादव ने कहा कि राजनीति और योजनाएं ऐसी होनी चाहिए जिनसे जनता को लाभ हो। एमजीएनआरईजीए के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार के अवसर मिलते थे...आप सारा बोझ राज्य सरकारों पर डाल देंगे; राज्य सरकारें इसे केंद्र सरकार पर डाल देंगी। कई राज्यों को अभी तक एमजीएनआरईजीए के लिए धनराशि नहीं मिली है। उत्तर प्रदेश सरकार अपने आंकड़ों में हेराफेरी कर रही है। राज्य सरकारें हेरफेर कर रही हैं। तो आप क्या करना चाहते हैं? ये योजनाएं मुख्यमंत्रियों की समस्याओं का समाधान कैसे करेंगी? ये मुख्यमंत्रियों और राज्य सरकार दोनों के लिए समस्याएं पैदा करेंगी।संसद प्रमुख ने कहा कि इसका नाम बदलने से कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। दिल्ली सरकार (केंद्र में) उत्तर प्रदेश सरकार की नकल कर रही है, उत्तर प्रदेश सरकार के नाम सबसे ज्यादा बार योजनाओं का नाम बदलने का रिकॉर्ड है। विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक, या वीबी-जी राम-जी विधेयक, में भगवान राम का नाम होने के कारण अखिलेश यादव ने केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए पूछा कि क्या यह केंद्र सरकार का राम राज्य का विचार है?

जीवित मतदाताओं को बीएलओ ने दिखा दिया मृत, सपा ने सौंपा ज्ञापन

सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन देकर एसआईआर में बीएलओ पर कई जीवित मतदाताओं को मृतक दिखाने का आरोप लगाया है। पार्टी ने चुनाव आयोग से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि झांसी सदर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदेय स्थल संख्या-2 में 23 मतदाताओं ने गणना फॉर्म बीएलओ के पास जमा किए। बीएलओ ने इन सभी को मृतक घोषित करके गणना प्रपत्र सबमिट कर दिया। बताया कि इन सभी जीवित मतदाताओं के भरे गणना प्रपत्र व ऑनलाइन डिटेल की फोटो कॉपी साक्ष्य सहित लिखित शिकायत जिला निर्वाचन अधिकारी से की गई, लेनिक अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। सपा ने कहा है कि चुनाव आयोग तत्काल दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करे। कानपुर देहात व बदायूं की शिकायतों पर भी त्वरित कार्रवाई की मांग की गई है। बताया, कानपुर देहात, अकबरपुर रनिया विधानसभा क्षेत्र में 2003 की मतदाता सूची की मैपिंग में दिक्कतें हैं। इससे मतदाताओं को गणना प्रपत्र भरने में परेशानी हो रही है। बदायूं के शेखूपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदेय स्थल संख्या-116 पर भाजपा ने बीएलओ को ही उसी बूथ पर अपना बीएलए नामित कर दिया है। ज्ञापन देने वालों में सपा के प्रदेश सचिव केके श्रीवास्तव, डॉ. हरिश्चंद्र सिंह यादव और राधेश्याम सिंह शामिल थे।

यूपी में चलता रहेगा इंडिया एलायंस

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जहां वोट चोरी के मुद्दे को कांग्रेस का बताकर पल्ला झाड़ लिया है, वहीं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि यूपी में इंडिया गठबंधन मजबूत है। इसे भविष्य में और मजबूत बनाएंगे। वे भाजपा पर वोटों की डकैती का आरोप पहले ही लगा चुके हैं। इंडिया गठबंधन के बीच सीटों के बंटवारे पर कहा कि सवाल सीट का नहीं, जीत का रहेगा। अखिलेश ने मीडिया से कहा कि जो पार्टी भाजपा के खिलाफ सीट जीत सकती है वह उस सीट से लड़ेगी। लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा अब यूपी में दूसरे नंबर की पार्टी है। सीट बंटवारे के फॉर्मूले पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जिसे जहां ज्यादा वोट मिला हो वही मुख्य फॉर्मूला होता है। साथ में समीकरण देखा जाता है। उन्होंने कहा कि हम अयोध्या से सपा सांसद अवधेश प्रसाद को आगे बैठाते हैं, लेकिन रामायण धारावाहिक में भगवान श्रीराम बने व सांसद अरुण गोविल को भाजपा संसद में आगे नहीं बैठाती है। हम तो चाहते है भाजपा उन्हें भी आगे की सीट पर बैठाए। भाजपा सरकार लोगों के वोट कटवाने के लिए एसआईआर कर रही है। एसआईआर में आधार कार्ड नहीं माना जा रहा है। कहा, जो दूसरों के लिए गड्ढा खोदता है वह खुद उसी गड्ढे में गिर जाता है। भाजपा के साथ भी यही होगा।

सपा नेताओं के खिलाफ भी एजेंसियों को काम सौंपा जाएगा

उन्होंने कहा कि सुना है कि अब सपा नेताओं के खिलाफ भी ईडी, सीबीआई और आईटी एजेंसियों की कार्रवाई शुरू होने वाली है। तो क्या यह राम राज्य उन राज्यों में अपनी एजेंसियों को सक्रिय करने के बारे में है जहां चुनाव होने वाले हैं? यदि इसका नाम बदला गया है, तो मेरठ के सांसद अरुण गोविल, जिन्होंने भगवान राम की भूमिका निभाई थी, की सीट प्रधानमंत्री के बगल में (संसद में) आवंटित की जानी चाहिए। विपक्ष ने योजना का नाम बदलने और महात्मा गांधी का नाम हटाने के लिए विधेयक की आलोचना की है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने अन्य विपक्षी सांसदों के साथ संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया।

हरियाणा में भाजपा सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएंगे : हुड्डा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा में बृहस्पतिवार से शुरू होने जा रहे विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान कांग्रेस द्वारा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री एवं विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

बैठक में हुड्डा ने आरोप लगाया कि भाजपा ने हरियाणा में 'वोटों की चोरी' करके सरकार बनाई है। कांग्रेस नेता ने दावा किया, ''इसे (सत्ता) हासिल करने के लिए उन्होंने चुनाव से पहले अवैध प्रलोभन देने और एक ही व्यक्ति के लिए कई वोट बनाने जैसे हथकंडों का सहारा लिया। इसलिए, सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाएगा और उसके गलत कामों का सदन में पर्दाफाश किया जाएगा।

नीतीश साहब का शायद पद छोड़ने का समय आ गया है: महबूबा मुफ्ती

नीतीश कुमार के वायरल वीडियो को लेकर आक्रोश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सोशल मीडिया पर वायरल मुस्लिम महिला का बुर्का खींचने के वीडियो पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को कहा कि वह बिहार के मुख्यमंत्री को मुस्लिम महिला के चेहरे से बुर्का हटाते हुए देखकर हैरान हैं।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा, क्या इसे बुढ़ापे का असर माना जाए या मुसलमानों को सार्वजनिक रूप से अपमानित करने का सामान्यीकरण? यह घटना परेशान करने वाली है। नीतीश साहब, शायद अब आपके पद छोड़ने का समय आ गया है?

नीतीश ने खोया मानसिक संतुलन : इल्तिजा मुफ्ती

पीडीपी की प्रवक्ता इल्तिजा मुफ्ती ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जो किया वह घृणित और अस्वीकार्य है। वह उम्र दराज हैं, इसलिए उनका सम्मान करती हूं। उम्र की वजह से अगर वह दिमागी रूप से बीमार हो गए हैं और इस तरह की हरकत कर रहे हैं तो राज्य कैसे चलाएंगे। उन्हें चाहिए कि रिटायर हो जाएं और प्रदेश की बागडोर किसी और को सौंप दें। कहा, आपको कोई हक नहीं कि किसी का हिजाब हटाएं। यह कानूनी तौर पर अपराध भी है।

नीतीश कुमार को महिला से माफी मांगनी चाहिए : रुहुल्ला

नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद आगा सैयद रुहुल्ला मेहदी ने नीतीश कुमार के बर्ताव को अनुचित और परेशान करने वाला बताया। एक बयान में रुहुल्ला ने कहा कि सार्वजनिक रूप से एक मुस्लिम महिला का बुर्का खींचना गरिमा और व्यक्तिगत सम्मान का गंभीर उल्लंघन है। नीतीश कुमार को उस महिला और जनता से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए। इस घटना के मद्देनजर उनका पद से हट जाना आवश्यक है।

मुस्लिम महिला के चेहरे से नकाब हटाना निंदनीय : नेकां

नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) ने प्रवक्ता इमरान नबी डार ने कहा कि नीतीश कुमार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। एक महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने की कोशिश की गई है। हम उनसे और बिहार की भाजपा-जेडीयू सरकार से बिना शर्त सार्वजनिक माफी की भी उम्मीद करते हैं। उन्होंने इस हरकत को सही ठहराने के लिए कुछ टीवी न्यूज एंकरों के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की। प्रवक्ता ने कहा, संविधान हर किसी को अपनी पसंद के कपड़े पहनने या अपनी पसंद के अनुसार व्यवहार करने का अधिकार देता है और कोई भी किसी पर अपनी शर्तें नहीं थोप सकता। राजनीतिक मुद्दा नहीं बल्कि हमारी भावनाओं से जुड़ा है। डार ने कहा कि यह मुसलमानों को अपमानित करने की कोशिश है।

यूपी की नकल बिहार में नहीं चलेगी : इरफान

झारखंड के मंत्री ने डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी से कहा- रोकिए बुलडोजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार के बेटे के विवाह उपलक्ष्य में दिल्ली में आयोजित रिसेप्शन कार्यक्रम राजनीतिक हलकों में चर्चा में है। इस मौके पर देश की राजनीति से जुड़े कई बड़े चेहरे एक मंच पर नजर आए। अलग-अलग दलों और राज्यों के नेताओं की मौजूदगी ने इस समारोह को महज पारिवारिक आयोजन से आगे बढ़ाकर एक अहम राजनीतिक मेल-मिलाप का अवसर बना दिया।

रिसेप्शन में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को झारखंड के कांग्रेसी स्वास्थ्य मंत्री की नसीहत मिली, इराफान अंसारी ने बिहार के उप मुख्यमंत्री से कहा कि बुलडोजर एक्शन रोक दीजिए। इरफान अंसारी ने इस मुलाकात की तस्वीरें इंटरनेट मीडिया में साझा की है। एक्स पर लंबा पोस्ट लिख सम्राट को दिए नसीहत के साथ ही एक राजनीतिक संदेश भी दिया। अंसारी ने बताया है कि इस दौरान उन्होंने बिहार में हाल के दिनों में चर्चा में रहे बुलडोजर एक्शन के मुद्दे पर सम्राट चौधरी से बातचीत की। विदित है कि बिहार में पहली बार सम्राट चौधरी को गृह विभाग की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। उनके पास गृह विभाग आते ही राज्य के विभिन्न हिस्सों से बुलडोजर एक्शन की खबरें सामने आ रही हैं। इन्हीं घटनाओं को लेकर विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच राजनीतिक बहस तेज है। ऐसे में इरफान अंसारी द्वारा सार्वजनिक रूप से इस मुद्दे पर बातचीत का जिक्र करना राजनीतिक दृष्टि से अहम माना जा रहा है।

इरफान अंसारी ने एक्स पर लिखा कि झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार उनके लिए अभिभावक समान हैं और उनके पुत्र के विवाह समारोह में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात हुई। मैंने साफ शब्दों में कहा कि बुलडोजर की भाषा नहीं, भाईचारे और संवाद की भाषा अपनाइए। अंसारी ने यह भी कहा कि समाज को जोड़ने का काम राजनीति की मूल जिम्मेदारी होनी चाहिए। अंसारी ने अपने संदेश में दोनों नेताओं के पारिवारिक और राजनीतिक संबंधों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनके और सम्राट चौधरी के पिता ने साथ मिलकर काम किया है और दोनों परिवारों के बीच पुराना संबंध रहा है। अंसारी के अनुसार, देश और राज्यों की प्रगति के लिए सद्भाव, संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक सौहार्द का रास्ता ही सबसे बेहतर है। तस्वीरों में सम्राट चौधरी और इरफान अंसारी के बीच गर्मजोशी साफ दिखाई दी। दोनों नेता हाथ मिलाते हुए मुस्कुराते नजर आए, जिससे यह संदेश भी गया कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद व्यक्तिगत रिश्तों और संवाद की अहमियत बनी हुई है।

अब नेताओं की नजर 2026 पर

मुंबई में शिवसेना शिंदे गुट और बीजेपी की पहली बैठक

- तैयारी में जुटे सियासी दल
- बीजेपी ने पीयूष गोयल और बैजयंत पांडा को सौंपी बड़ी राज्यों की जिम्मेदारी
- तमिलनाडु व असम पर नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व यूपी का प्रदेश अध्यक्ष बनाने के बाद बीजेपी ने अब आने वाले वर्ष में होने वाले विधान सभा चुनाव के लिए गोट बिछाना शुरू कर दिया है। वहीं महाराष्ट्र में होने वाले निकाय चुनाव पर भी सहमति बनाने की योजना बना ली है। उधर विपक्षी गठबंधन भी एनडीए को रोकने के लिए जुगत भिड़ाने लगा है। 2026 के चुनावों को ध्यान में रखते हुए, भाजपा ने तमिलनाडु के लिए पीयूष गोयल और असम के लिए बैजयंत पांडा को कमान सौंपी है।

यह रणनीतिक कदम दर्शाता है कि पार्टी इन महत्वपूर्ण राज्यों में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए शीर्ष नेताओं को सक्रिय कर रही है। अर्जुन राम मेघवाल, मुरलीधर मोहोल, सुनील कुमार शर्मा और दर्शना बेन जरदोश जैसे सह-निर्वाचितों की नियुक्ति भी सांगठनिक मजबूती का संकेत है। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने के एक दिन बाद, बिहार के मंत्री नितिन नबीन ने सोमवार को पटना में अपने पिता, भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा को श्रद्धांजलि अर्पित की। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं का निरंतर मार्गदर्शन किया है और वे अपने पिता के आशीर्वाद से आगे की यात्रा शुरू कर रहे हैं। उन्होंने यहां महावीर मंदिर में जाकर प्रार्थना भी की। राज्य भाजपा अध्यक्ष और बिहार मंत्री दिलीप जायसवाल भी उनके साथ मंदिर गए थे।

महायुति में सीट बंटवारे को लेकर बनेगी सहमति?

भाजपा अपने प्रमुख सहयोगी दलों शिवसेना और रामदास अठावले के नेतृत्व वाली रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के साथ सीट बंटवारे और चुनाव रणनीति पर चर्चा करेगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, भाजपा और आरपीआई के बीच दोपहर 12 बजे बैठक होगी, जिसके बाद दोपहर 2 बजे भाजपा और शिवसेना के बीच वार्ता का पहला दौर होगा। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के चुनाव 15 जनवरी को होने वाले हैं, जिसके चलते महाराष्ट्र में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। घोषणा के तुरंत बाद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने महायुति गठबंधन के अपने सहयोगियों के साथ पहले दौर की बातचीत शुरू कर दी है। भाजपा अपने प्रमुख सहयोगी दलों शिवसेना और रामदास अठावले के नेतृत्व वाली रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के साथ सीट बंटवारे और चुनाव रणनीति पर चर्चा करेगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, भाजपा और आरपीआई के बीच दोपहर 12 बजे बैठक होगी, जिसके बाद दोपहर 2 बजे भाजपा और शिवसेना के बीच वार्ता का पहला दौर होगा।

बैठक में ये लोग हुए शामिल

बैठकें दादर स्थित वसंत हॉल में हुई। वार्ता में शामिल होने वाले वरिष्ठ भाजपा नेताओं में अमित सतम, अतुल भाटखालकर, प्रवीण दारेकर, आशीष शेलार। बैठक में शिवसेना का प्रतिनिधित्व करने वाले शिवसेना नेता उदय सामंत रवींद्र वाइकर, प्रकाश सर्वे, राहुल शेवाले शामिल रहे।

पीयूष गोयल को तमिलनाडु व बैजयंत पांडा को असमका चुनाव प्रभारी बनाया

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को तमिलनाडु का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया, जबकि भाजपा सांसद बैजयंत पांडा को असम राज्य का प्रभारी बनाया गया है। दोनों राज्यों में 2026 में चुनाव होंगे। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए विधि एवं न्याय एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल और नागरिक उड्डयन एवं सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल को सह-निर्वाचित नियुक्त किया गया है, जबकि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता और विधायक सुनील कुमार शर्मा और पूर्व केंद्रीय मंत्री दर्शना बेन जरदोश को असम का सह-निर्वाचित बनाया गया है।

बीएमसी ने मतदाता सूची की जांच शुरू की

बीएमसी ने मतदाता सूची की जांच शुरू कर दी है, वहीं शिवसेना (यूबीटी) ने सभी 227 नगर निगम वार्डों में समानांतर जमीनी स्तर पर सत्यापन अभियान चलाया है। 2022 में शिवसेना में हुए विभाजन के बाद यह पहला बीएमसी चुनाव होगा और इसमें एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना से सीधा मुकाबला होगा, जो महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति सरकार का हिस्सा है। चुनाव परिणाम भारत की वित्तीय राजधानी मुंबई के राजनीतिक और वित्तीय नियंत्रण का फैसला करेंगे।

शिवसेना (यूबीटी) के नेताओं का दावा-डुप्लिकेट प्रविष्टियों पहचाना

शिवसेना (यूबीटी) के नेताओं का दावा है कि उनके कार्यकर्ताओं ने हजारों फर्जी और डुप्लिकेट प्रविष्टियों की पहचान की है। उनका तर्क है कि इस तरह की अनियमितताएं चुनावों के नतीजों को काफी हद तक प्रभावित कर सकती हैं, जो देश की वित्तीय राजधानी पर राजनीतिक और वित्तीय नियंत्रण का फैसला करेंगे। पार्टी का कहना है कि कई पुराने निवासियों, विशेष रूप से मराठी मतदाताओं को गलत तरीके से डुप्लिकेट के रूप में चिह्नित किया गया है, जिससे उनके मतदान के अधिकार को खतरा हो सकता है। नगर निगम चुनाव बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं, खासकर शिवसेना (यूबीटी) के लिए, क्योंकि यह 2022 में शिवसेना में हुए विभाजन के बाद पहला बीएमसी चुनाव होगा और महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन के सदस्य एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट के साथ सीधा मुकाबला होगा।

बीएमसी चुनाव कार्यक्रम जारी

बहुप्रतीक्षित नगर निगम चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करते हुए राज्य चुनाव आयुक्त दिनेश वाघमारे ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया 23 दिसंबर से शुरू होकर 30 दिसंबर तक चलेगी। बीएमसी सहित कुल 29 नगर निगमों में चुनाव होंगे। महाराष्ट्र के प्रमुख शहरी केंद्रों में 2,869 सीटों के लिए मतदान है और लगभग 3.48 करोड़ मतदाता मतदान करने के पात्र हैं। चुनाव होने वाले नगर निगमों में मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पुणे, नासिक, नागपुर और छत्रपति संभाजीनगर शामिल हैं।चुनाव की घोषणा मुंबई में कथित वोट चोरी को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद के बीच हुई है। विपक्षी दलों का दावा है कि महत्वपूर्ण चुनावों से पहले मतदाता सूचियों में फर्जी और नकली मतदाताओं के नाम दर्ज किए गए हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

राजधानी दिल्ली के प्रदूषण पर नियंत्रण के हों उपाय

"हर साल सर्दी का मौसम आते ही दिल्ली का इलाका गैस चैंबर बन जाता है। इस बात से सत्तारुढ़ और विपक्षी दल अनजान नहीं हैं। इसके बावजूद कोरी बयानबाजी के अलावा लोगों को उनके हाल पर छोड़ रखा है। दिल्ली का औसत एक्यूआई लेवल 377 तक दर्ज हो चुका है।

इस समय देश की राजधानी दिल्ली प्रदूषण कर वजह से कराह रही है। लोगों की तबियत तक बिगड़ने लगी है। ठंड बढ़ने से समस्याएं और बदतर हो गाई है। सरकार को सुप्रीम कोर्ट की ओर से डांट भी पड़ी। सरकार ने कुछ छोटे व दीर्घकालि योजना पर काम करना आरंभ कर दिया है। आपने समय में ग्रैप 4 का सिस्टम लागू कर दिया है। सरकारी नजरिए से देखें तो राजधानी दिल्ली और आस-पास के क्षेत्रों में प्रदूषण लाइलाज समस्या बन चुका है। हर साल सर्दी का मौसम आते ही दिल्ली का इलाका गैस चैंबर बन जाता है। इस बात से सत्तारुढ़ और विपक्षी दल अनजान नहीं हैं। इसके बावजूद कोरी बयानबाजी के अलावा लोगों को उनके हाल पर छोड़ रखा है। दिल्ली का औसत एक्यूआई लेवल 377 तक दर्ज हो चुका है।

ऐसे में लोगों को सांस लेने में दिक्कत और आंखों में जलन की समस्या देखने को मिल रही है। आनंद विहार, बवाना, चांदनी चौक जहांगीर पुरी, जवाहरलाल नेहरू सेडियम और नेहरू नगर में एक्यूआई लेवल 400 के पार तक पहुंच गया। दिल्ली की हवा में घुला जहर कम कब होगा। इस सवाल का जवाब इस समय शायद किसी के पास नहीं है। शायद इसीलिए डॉक्टरों ने साफ कह दिया है कि बच्चों की सेहत ठीक रखना चाहते हैं, तो कुछ दिनों के लिए दिल्ली छोड़ दीजिए। दिल्ली में एयर क्वॉलिटी मैनेजमेंट के लिए डिसीजन सपोर्ट सिस्टम (डीएसएस) के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में प्रदूषण के बड़े कारण ट्रांसपोर्ट, पराली है। गाड़ियों से फैले प्रदूषण का हिस्सा 18.42 प्रतिशत था। आंकड़ों के हिसाब से 16.31 प्रतिशत प्रदूषण के अन्य सोर्स हैं, जिसमें आतिशबाजी, डीजल जनरेटर जैसे सोर्स शामिल है। शादियों के सीजन की वजह से आतिशबाजी हो भी रही हैं। अगले तीन दिन इन अन्य सोर्स का प्रदूषण का हिस्सा और बढ़कर 43.4 प्रतिशत तक जाने का अनुमान है। दुनिया भर में वायु प्रदूषण को मापने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था आईक्यूएआईआर की नवीनतम लाइव रैंकिंग में भारत की राजधानी दिल्ली इस सूची में पहले स्थान पर रही। जबकि दूसरे स्थान पर उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद 251 के एक्यूआई के साथ दर्ज है। तीसरे नंबर पर पाकिस्तान का लाहौर (एक्यूआई 215), चौथे पायदान पर बांग्लादेश की राजधानी ढाका 211, एक्यूआई के साथ है। भारत का कोलकाता भी 211 के एक्यूआई के साथ पांचवें स्थान पर है। देश की राजधानी दिल्ली में एयर इमरजेंसी है। राजधानी दिल्ली गैस चैंबर बन गई है। राजधानी दिल्ली हांफ रही है, खांस रही है। दिल्ली की हवा जहरीली हो गई है। दिल्ली में हर व्यक्ति हर पल अपने फेफड़ों में जहर भर रहा है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भारतीय आत्मनिर्भरता की आकांक्षा में रूस की अहम भूमिका

सी उदय भास्कर

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का नई दिल्ली का दो दिवसीय दौरा 2022 में यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद भारत की उनकी पहली यात्रा थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेजबानी में हुए इस शिखर सम्मेलन में दोनों देशों के बीच टिकाऊ रणनीतिक साझेदारी पर जोर दिया गया, जिसे दशकों चले शीत युद्ध-काल के सहयोग के दौरान विकसित किया गया था। इस यात्रा ने काफी वैश्विक रुचि पैदा की, क्योंकि अमेरिका और यूरोपीय संघ की कोशिश रही है कि यूक्रेन के विरुद्ध युद्ध को लेकर रूसी राष्ट्रपति को अलग-थलग किया जाए। अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने तो यूक्रेन में युद्ध अपराधों के संबंध में पुतिन की गिरफ्तारी का वारंट तक जारी कर रखा है।

इसलिए, उनकी अगवानी पारंपरिक शिखर सम्मेलन की भव्यता और संबंधित प्रोटोकॉल के साथ करने के भारतीय निर्णय का अपना रणनीतिक महत्व रहा। मोदी ने हवाई अड्डे पर रूसी नेता का स्वागत ट्रेडमार्क बन चुके गले लगाने के अपने अंदाज में किया, जोकि दोनों नेताओं के बीच संबंध को रेखांकित करता है। यह यात्रा भारत पर रूसी तेल आयात और रक्षा खरीद पर अंकुश लगाने के लिए बढ़ते अमेरिकी दबावों के बीच हुई; दोनों पक्षों ने इस बात की पुष्टि की कि उनके संबंध 'बाहरी दबाव के परिप्रेक्ष्य में लचीले' हैं। 1960 के दशक के मध्य से रूस रिवायती तौर पर भारत को सैन्य उपकरण और प्रमुख युद्धक सामग्री (टैंक, जहाज, विमान) का आपूर्तिकर्ता रहा है, लेकिन यात्रा से पूर्व जताई गई उम्मीदों और अटकलों के विपरीत, पुतिन की यात्रा के दौरान कोई बड़ा रक्षा सौदा घोषित नहीं हुआ। संयुक्त बयान में संदर्भ अपेक्षाकृत सामान्य था और इसमें कहा गया था कि सैन्य और सैन्य-तकनीकी सहयोग पारंपरिक रूप से भारत और रूस के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी का एक स्तंभ रहा है। आगे कहा गया 'भारत की आत्मनिर्भरता अभियान के जवाब में, साझेदारी वर्तमान में उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकी और प्रणालियों के संयुक्त अनुसंधान एवं विकास, सह-विकास और सह-उत्पादन की ओर फिर से उन्मुख हो रही है'।

ज्यादा जोर भारत में मेक इन इंडिया प्रोग्राम के तहत प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से रूसी मूल के हथियारों और रक्षा उपकरणों के रखरखाव के लिए स्पेयर पार्ट्स, घटकों, संलग्न एवं अन्य उत्पादों के भारत में संयुक्त निर्माण पर दिया गया; भारतीय सशस्त्र बलों की

जरूरतें पूरी करने के लिए संयुक्त उद्यम स्थापित करना; और आगे चलकर परस्पर मित्र तीसरे राष्ट्रों को निर्यात की तैयारी करना। मोदी-पुतिन शिखर सम्मेलन ने भारत-रूस रक्षा संबंधों में एक संभावित रणनीतिक बदलाव का संकेत दिया, जो पारंपरिक खरीदार-विक्रेता गतिशीलता से आगे बढ़कर प्रगाढ़ सहयोग की तरफ बढ़ रहा है। जिसका मकसद आयात पर निर्भरता को और कम करना है – रूस की हिस्सेदारी 2010-15 के बीच 72 प्रतिशत के उच्च स्तर से घटकर 2020-24 में 36 फीसदी रह गई। यह सबक लेने लायक है कि 1960 के दशक के मध्य में सोवियत संघ से काफी सैन्य साजो-सामान (पहला मिग फाइटर एयरक्राफ्ट, पेट्या/कमोर्टा-क्लास नौसैन्य पोत और टैंक)हासिल करने के बावजूद, भारत कभी भी अपने करीबी सहयोगी से कोई डिजाइन संबंधी जानकारी हासिल नहीं कर पाया। इस प्रकार, सोवियत/रूसी मूल के अधिकांश उपकरण जो कहने को तो भारत में निर्मित किए गए थे, उनमें भी मुख्य रूप से काम आयातित किट/पुर्जों को असेंबल करने का ही था। इसका मतलब था कि चाहे वह गोला-बारूद फैक्ट्रियां हों या हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, मुख्य गतिविधि पुर्जों को जोड़ना भर था और रिवर्स-इंजीनियरिंग करने या स्वदेशी डिजाइन पर काम करने का बहुत कम या कोई प्रयास नहीं किया गया। डिजाइन के क्षेत्र में प्रवेश करने की यह अक्षमता/अनिच्छा चीनी उदाहरण के बिल्कुल विपरीत है। सोवियत-युग के सैन्य उपकरणों की चीन की सबसे सफल रिवर्स-इंजीनियरिंग उपलब्धि एसयू-27 फ्लैंकर की नकल कर शेनयांग जे-11 फाइटर जेट परिवार का विकास करना है।

पीएलए वायु सेना ने शुरू में 1990 के दशक में लाइसेंस प्राप्त उत्पादन समझौते के तहत रूस से एसयू-27 एसके फाइटर जेट खरीदे, और रूसी-आपूर्ति वाली किट का उपयोग करके उन्हें जे-11ए के रूप में असेंबल किया। हालांकि, 2000 के दशक के मध्य तक, चीन विमान की रिवर्स-इंजीनियरिंग करने में सफल रहा – प्रमुख घटकों को बाहर निकालकर, उनका विश्लेषण और नकल करके – बिना किसी और रूसी भागीदारी के पूरी तरह स्वदेशी जे-11बी संस्करण का उत्पादन कर लिया। इसमें एयरफ्रे म, एवियोनिक्स, राडार और प्रोपल्शन की नकल करना, फिर डब्ल्यूएस-10 टर्बोफैन इंजन , एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड ऐरे (एईएसए) राडार और घरेलू स्तर पर उत्पादित हथियार प्रणालियां जैसे कि चीनी अपग्रेड को एकीकृत करना शामिल था।

गलतियां स्वीकार दें भविष्य को निखार

सीताराम गुप्ता

जीवन में गलतियां होना स्वाभाविक हैं। हम सभी गलतियां करते हैं। कहा भी गया है कि इंसान गलतियों का पुतला है। इसका एक निहितार्थ ये भी हो सकता है कि व्यक्ति अपनी गलतियों से सीख कर ही इंसान बनता है। जैसे विभिन्न कठिनाइयां ही मनुष्य को विषम परिस्थितियों में जीना और आगे बढ़ना सिखाती हैं वैसे ही उसकी गलतियां भी मनुष्य को सबसे अधिक सीखने का अवसर प्रदान करती हैं। गलतियों के अभाव में मनुष्य कैसे कुछ सीखेगा? गलती कोई अपराध नहीं लेकिन गलतियों को सुधारना जरूरी है। गलती को न सुधारने से वह आदत बन जाती है, हमारे व्यवहार का अंग बन जाती है और हमारा अनिष्ट करके ही छोड़ती है। इसीलिए गलती का पता लगने पर भी उस गलती को दूर न करना अथवा एक गलती को बार-बार दोहराना अपराध नहीं होने पर भी अपराध से कम नहीं माना जाता।

प्राय: जब हमसे कोई बड़ी गलती हो जाती है तो उसको छुपाने के लिए दूसरी गलती कर देते हैं और कई बार अपराध तक कर डालते हैं। जो व्यक्ति एक ही गलती को बार-बार करे उसके लिए अंग्रेजी में एक शब्द है एररिस्ट। एक एररिस्ट व टेररिस्ट में कोई विशेष अंतर नहीं होता। जब कोई व्यक्ति अपनी गलती को स्वीकार करके उसे सुधारने के बजाय उसे बार-बार करता है तभी वह टेररिस्ट या आतंकवादी बनता है। चोरी करना, परिग्रह एवं अतिशय लोभवृत्ति, झूठ बोलना, दादागीरी व हिंसा का सहारा लेना, आज का कार्य कल पर टालना, अपनी भावनाओं या विचारों पर नियंत्रण न करना, बात-बात पर क्रोध करना, क्षमाशीलता व संवेदनशीलता का अभाव, हर स्थिति में असंतुष्ट व छिद्रान्वेषी बने रहना व अन्य दूसरे नकारात्मक भाव या आदतें ऐसी गलतियां अथवा भूलें हैं जिन्हें स्वीकार करके उन्हें दूर करना या सुधारना अनिवार्य है। अन्यथा हमारे एक सामान्य व्यक्ति से निकृष्ट व्यक्ति में बदलते देर नहीं लगती।

इन्हीं गलतियों के कारण एक व्यक्ति कुख्यात बन जाता है और इन्हीं को सुधारकर विख्यात अथवा प्रख्यात हो जाता है। वास्तव में हमारे सभी नकारात्मक भाव या उनसे उत्पन्न सब कर्म हमारी गलतियां ही होते हैं और उन्हें सुधारकर उनके स्थान पर सकारात्मक भाव या उनसे उत्पन्न सब कर्म ही जीवन का अपेक्षित विकास करते हैं। गलतियां किससे नहीं होतीं? गांधी जी ने अपनी आत्मकथा में अपनी गलतियों अथवा कमियों को स्पष्ट रूप से लिखा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी जीवन में अनेक गलतियां कीं लेकिन उन्होंने कभी भी किसी गलती को छुपाया या दोहराया नहीं। उन्होंने हिम्मत के साथ अपनी गलतियों को स्वीकार कर उन्हें सुधारा। गांधी जी के बचपन की एक घटना है। उन पर एक दुकानदार का काफी कर्ज हो गया। उनका कर्ज उतारने के लिए उन्होंने अपनी माताजी के सोने के कड़ों में से थोड़ा सा सोना काटकर बेच दिया और अपना कर्ज चुका दिया। इस घटना से उन्हें बहुत दुख हुआ। वे आत्मग्लानि से भर उठे। वे सारी बातें अपने पिताजी को बतलाकर उनसे माफी मांगना चाहते थे लेकिन ऐसा करने की उनकी हिम्मत नहीं हुई। उन्होंने सारी बातें एक चिट्ठी में लिखीं और चिट्ठी पिताजी को दे दी। उनके पिता बीमार थे।

जब उन्होंने चिट्ठी पढ़ी तो उनकी आंखों से आंसू बहने लगे। गांधी जी भी रोने लगे और उन्होंने पिताजी के सामने प्रण किया कि जीवन में कभी भी गलत कार्य अथवा चोरी नहीं करेंगे। हम सब जानते हैं कि गांधी जी ने जीवनभर अपने प्रण को बखूबी निभाया ही नहीं अपितु अपने दूसरे अवगुणों को भी त्याग कर सद्गुणों को अपने जीवन का आधार बनाया। जब पहली बार कोई गलती हो जाए तो उसे छुपाने के बजाय स्वीकार कर सुधार लेना ही दुरात्मा बनने के बजाय महात्मा बनने की दिशा में अग्रसर होना है। जब भी हम कोई नया काम करना सीखते हैं तो भी कुछ कमियां या गलतियां अवश्य रह जाती हैं। तो क्या हम वो काम करना ही बंद कर दें या जीवनभर गलतियां ही करते रहें? यदि हम चलते-चलते गिर पड़ें तो क्या हम वहीं पड़े रहें या उठकर वापस लौट जाएं? नहीं। गिरने के बाद उठना और दोबारा सावधानीपूर्वक आगे बढ़ना ही उन्नति व विकास का वास्तविक मार्ग है।

गलती मानना भी बहुत हिम्मत की बात है और गलती मानने वाला अपराधी नहीं बहादुर व्यक्ति होता है। बहादुर व्यक्ति ही संसार में विजयी होते हैं। एक अपराधी ही नहीं एक कायर अथवा डरपोक व्यक्ति भी कभी अपनी गलती को नहीं मानता इसीलिए न तो उसकी गलती का सुधार होता है और न वह जीवन में आगे ही बढ़ता है। रत्नाकार नामक व्यक्ति को जब अपनी गलतियों का अहसास हुआ और तो अपना निकृष्ट पेशा त्यागने का निर्णय लिया तो तब जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन हुआ। उनकी संवेदना इतने चरम पर पहुंच गई कि उन्होंने रामायण जैसे महाकाव्य का सृजन कर डाला और आदि कवि के रूप में विख्यात हुए। अपनी कमियों को खोजकर व उन्हें सुधारकर हम चाहें तो संत बन सकते हैं और न सुधार कर वीरप्पन या दाऊद बने रहने को अभिशप्त हो सकते हैं। श्रेयस्कर तो यही है कि हम अपनी गलतियों को स्वीकार कर, उन्हें सुधार कर व उनसे सीख लेकर निरंतर आगे बढ़ते रहने का प्रयास करते रहें। गलती करने व हर गलती को स्वीकार कर उसे सुधारने में ही निहित है जीवन का वास्तविक विकास।

इन फेस पैक के इस्तेमाल से चमकेगा आपका चेहरा

मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा जेल

मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा जेल का मिश्रण त्वचा के लिए फायदेमंद होता है, क्योंकि मुल्तानी मिट्टी तेल सोखती है और गहराई से सफाई करती है, जबकि एलोवेरा जेल त्वचा को नमी देता है और शांत करता है। इस तीसरे फेस पैक तो इस्तेमाल करने के लिए आपको 1 चम्मच मुल्तानी मिट्टी और 1 चम्मच एलोवेरा जेल की जरूरत पड़ेगी। इन दोनों चीजों को मिक्स करने के बाद चेहरे पर अप्लाई करें। ये तैलीय त्वचा वालों के लिए अच्छा फेस पैक है। इसके इस्तेमाल से ऑयली स्किन से एक्स्ट्रा ऑयल हटेगा। इसके अलावा ये आपके चेहरे की डीप क्लींजिंग करेगा।

ओट्स और दूध

आखिर में जिस फेस पैक की हम बात कर रहे हैं उसे तैयार करने के लिए आपको 1 चम्मच पिसा हुआ ओट्स और 2 चम्मच दूध की जरूरत पड़ेगी। इन दोनों चीजों को मिक्स करके चेहरे पर अप्लाई करें। इसका इस्तेमाल यदि हफ्ते में दो बार किया जाए तो ये न सिर्फ डेड स्किन को हटाएगा, बल्कि इसके इस्तेमाल से स्किन सॉफ्ट भी बनेगी।

केला और शहद

इस पैक के लिए आपको एक पका केला और एक चम्मच शहद की जरूरत पड़ेगी। पैक को तैयार करने के लिए सबसे पहले 1 पका केला को मैश करके उसमें 1 चम्मच शहद मिक्स करें। अब इसे आधे घंटे के लिए चेहरे पर अप्लाई करें। आधे घंटे के बाद चेहरे को धो लें। हफ्ते में तीन बार इस पैक का इस्तेमाल करें और स्किन को ग्लोइंग बनाएं। इसके अलावा इसे एक साथ खाने से शरीर को विटामिन, आयरन, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट मिलते हैं। हालांकि, मधुमेह या उच्च रक्तचाप वाले लोगों को इसका सेवन करने से बचना चाहिए।

चंदन और गुलाब जल

इस फेस पैक के बारे में बात करने जा रहे हैं उसे तैयार करने के लिए आपको चंदन और गुलाब जल की जरूरत पड़ेगी। पैक को तैयार करने के लिए सबसे पहले 1 चम्मच चंदन पाउडर में 1-2 चम्मच गुलाब जल मिक्स करें। अब इसे हफ्ते में दो बार चेहरे से लेकर गर्दन तक पर अप्लाई करें। इस पैक के इस्तेमाल से स्किन टोन में सुधार होगा और चेहरे के दाग-धब्बे कम होने लगेंगे। चंदन और गुलाब जल का उपयोग त्वचा को निखारने, शांत करने और चमक बढ़ाने के लिए किया जाता है। यह मिश्रण त्वचा को ठंडक देता है और उसमें प्राकृतिक चमक लाता है। गुलाब जल और चंदन पाउडर को मिलाकर एक होममेड टोनर भी बनाया जा सकता है। आप अतिरिक्त लाभों के लिए इसमें फिटकरी पाउडर या मुल्तानी मिट्टी जैसी सामग्री भी मिला सकते हैं।

हल्दी और दही

हल्दी और दही का मिश्रण सेहत और त्वचा दोनों के लिए फायदेमंद है। यह पाचन सुधारता है, इम्यूनिटी बढ़ाता है और त्वचा को चमकदार बनाता है। ये फेस पैक इस्तेमाल करना ज्यादातर लोगों को आसान लगता है। इसके लिए 1 चुटकी हल्दी में 1 चम्मच दही मिक्स करें और उसे चेहरे से लेकर गर्दन तक पर लगाएं। आप इसका इस्तेमाल हाथों पर भी कर सकते हैं, क्योंकि ये टैनिंग हटाने में काम आता है। इसके इस्तेमाल से स्किन दमकती है। हफ्ते में दो बार इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

त्योहार हो या शादी का सीजन हो सुहागिनों के लिए बेहद खास होता है। इन दिनों वो अपने आपको सज-धज कर रखती हैं। इन दिनों हर महिला चाहती है कि उसका चेहरा दमकता हुआ दिखे। वैसे तो आज के समय में चेहरे का ग्लो बढ़ाने के लिए ज्यादातर महिलाएं सीधा फिल्टर का इस्तेमाल कर लेती हैं, इससे उन्हें किसी भी तरह के ट्रीटमेंट की जरूरत नहीं पड़ती। लेकिन अगर आप उन लोगों में से हैं जिन्हें फोटो खींचते समय हर बार फिल्टर लगाना नहीं पसंद है, तो अपनी स्किन केयर पर थोड़ा ध्यान दें, जिससे आपका चेहरा नेचुरली इतना ग्लो करेगा कि किसी फिल्टर या मेकअप की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

हंसना मना है

एक ताऊ मरने वाला था, घर वालों ने कहा-अब तो भगवान का नाम ले लो ताऊ बोला-अब क्या नाम लेना, 10 - 15 मिनिट बाद तो आमना-सामना हो ही जाएगा?

लड़का- यार, शादी मे जाना हैं, कैसा कोट पहन के जाऊं, कि सब मुझे ही देखे .! दूसरा लड़का- पेटी 'कोट' पहन के चला जा..! पक्का सब तुझे ही देखेंगे!

पति ने पत्नी को वश में करने के लिए एक ताबीज लिया? एक महीने बाद? पति-बाबा, पत्नी पर तो कोई असर नहीं हुआ, पर पड़ोसन वश में आ गई? बाबा-चलो इफेक्ट न सही, साइड इफेक्ट तो हुआ?

एक आदमी की मौत के बाद उसका दोस्त उसकी पत्नी के पास आया और बोला-क्या मैं उसकी जगह ले सकता हूं? पत्नी- मुझे कोई ऐतराज नहीं है। कब्रिस्तान वालों से पूछ लो।

एक भिखारी रोज-रोज मांग कर खाते - खाते तंग आ गया था। एक दिन उसने भगवान से प्रार्थना की-भगवान, मुझे खाने को ऐसा कुछ दो जो खाने पर भी खत्म न हो! भगवान बोले- ये ले बेटा च्यूइंग गम !

कहानी — मूर्खों का बहुमत

किसी जंगल में एक उल्लू रहता था। उसे दिन में कुछ दिखाई नहीं देता था, इसलिए वह दिनभर एक पेड़ पर अपने घोंसले में छिपकर रहता था। सिर्फ रात होने पर ही वह भोजन के लिए बाहर निकलता था। एक बार गर्मियों का मौसम था। दोपहर का समय था और बहुत तेज धूप थी। तभी कहीं से एक बंदर आया और वह उल्लू के घोसले वाले पेड़ पर आकर बैठ गया। गर्मी और धूप से परेशान बंदर ने कहा-ऊफ, बहुत गर्मी है। आकाश में सूर्य भी आग के किसी बड़े गोले की तरह चमक रहा है। बंदर की बात को उल्लू ने भी सुन लिया। उससे रहा नहीं गया और बीच में ही बोल पड़ा कि यह तुम झूठ कह रहे हो? सूर्य नहीं, बल्कि अगर चंद्रमा के चमकने की बात कहते तो मैं इसे सच मान लेता। बंदर बोला कि भला दिन में चंद्रमा कैसे चमक सकता हैं। वह तो रात में चमकता है और यह दिन का समय है, तो दिन में सूर्य ही चमकेगा। यही कारण है कि सूर्य की तेज रोशानी की वजह से बहुत ज्यादा गर्मी हो रही है। उस बंदर ने उल्लू को अपनी बात समझाने का बहुत प्रयास किया कि दिन में सूरज ही चमकता है चंद्रमा नहीं, लेकिन उल्लू भी अपनी ही जिद पर अड़ा था। इसके बाद उल्लू ने कहा कि चलो, हम दोनों मेरे एक मित्र के पास चलते हैं, वही इसका निर्णय करेगा। बंदर और उल्लू दोनों एक दूसरे पेड़ पर गए। उस दूसरे पेड़ पर उल्लुओं का एक बड़ा झुंड रहता था। उल्लू ने सभी को बुलाया और बंदर ने उनसे कहा कि दिन में सूर्य चमक रहा है या नहीं यह तुम सब मिलकर बताओ। उल्लू की बात सुनकर उल्लुओं का पूरा झुंड हंसने लगा। वह बंदर की बात का मजाक उड़ाने लगें। उन्होनें कहा कि नहीं, तुम बेवकूफों जैसी बात कर रहे हो। इस समय आकार में तो चंद्रमा ही चमक रहा है और आकाश में सूर्य के चमकने की झूठी बात बोलकर हमारी बस्ती में झूठ का प्रचार मत करो। उल्लुओं के झुंड की बात सुनने के बाद भी बंदर अपनी ही बात पर अड़ा हुआ था। जिसे देखर सभी उल्लू गुस्सा हो गए और वे सारे के सारे बंदर को मारने के लिए उसपर झपट पढ़े। दिन का समय था और उल्लुओं को कम दिखाई दे रहा था इसी वजह से बंदर वहां से बचकर भाग निकलने में कामयाब हो गया और उसने अपनी जान बचाई।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

धनार्जन सुगम होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

वृषभ

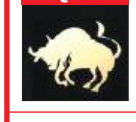

वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन

शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क

लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

सिंह

रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

कन्या

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं।

तुला

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा।

वृश्चिक

नई आर्थिक नीति बनेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

धनु

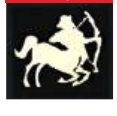

बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी।

मकर

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है। तनाव रहेगा।

कुम्भ

कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

मीन

धन प्राप्ति सुगम होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी।

अक्षय खन्ना का अभिनय देख गदगद हुई स्मृति ईरानी, कर दी आस्कर देने की बात

बॉलीवुड | गपशप

बॉक्स ऑफिस पर चांदी नहीं आजकल सोना बरस रहा है और ये बरसात हो रही है फिल्म धुरंधर की वजह से। आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस की पूरी स्ट्रैटजी को बदल कर रख दिया है। यही वजह है कि इस वक्त फिल्म की धुंआदार कमाई तो हो ही रही है, वहीं फिल्म के कैरेक्टर्स की भी जमकर तारीफ हो रही है। वहीं अक्षय खन्ना के लिए तो ऑस्कर की मांग उठ चुकी है। रहमान डकैत बनकर अक्षय खन्ना फिल्म के हीरो रणवीर सिंह पर भी भारी पड़े हैं। इसीलिए अब स्मृति ईरानी अक्षय की मुरीद हुई हैं और सीधा ऑस्कर देने की बात कर रही हैं।

फिल्म धुरंधर में अक्षय खन्ना की स्क्रीन टाईमिंग और डायलॉग डिलीवरी के तो लोग फैन हुए ही हैं। यहां तक कि जिन सीन्स में अक्षय खन्ना ने सिर्फ लुक दिया है, उन पर भी थिएटर्स में सीटियां बज रही हैं। पूरा बॉलीवुड मानो अक्षय खन्ना की तारीफों के पुल बांध रहा है और तो और अक्षय खन्ना को ऑस्कर देने तक की बात कही जा रही है। अब लीजिए अक्षय खन्ना को ऑस्कर देने की बात कर रही हैं

दरअसल स्मृति ईरानी ने अक्षय खन्ना की 2010 में आई फिल्म तीस मार खान का एक क्लिप शेयर किया है, जो इस वक्त काफी वायरल भी है। इस वीडियो में अक्षय कुमार फिल्म में एक्टर का ही रोल करने वाले अक्षय खन्ना को ऑस्कर देने की बात करते हैं। ये क्लिप इंटरनेट पर काफी चर्चा में है। इसी को शेयर करते हुए स्मृति ने लिखा कि, जब अक्षय खन्ना ने सभी उम्मीदों को पार कर दिया हो और आप भी चिल्लाना चाहें..... तो दे दो ऑस्कर।

हालांकि स्मृति ईरानी यही नहीं रुकी हैं। जबसे फिल्म धुरंधर की चर्चा हो रही है, तभी तो वह लगातार इसे लेकर पोस्ट कर रही हैं और तारीफों पर तारीफ किए जा रही हैं। फिल्म की पूरी टीम के लिए उन्होंने एक खास पोस्ट भी किया। जहां डायरेक्टर आदित्य धर से लेकर रणवीर सिंह, आर माधवन, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, राकेश बेदी और सारा अर्जुन समेत सभी की तारीफ की है।

वैसे आपको बता दें कि इससे पहले कोरियोग्राफर और डायरेक्टर फराह खान भी अक्षय खन्ना को ऑस्कर देने की बात कर चुकी हैं। वहीं कई और सितारे भी जो इस वक्त अक्षय खन्ना की तारीफ कर रहे हैं।

ओटीटी पर आ गई करीना कपूर और सैफ अली खान की 17 साल पुरानी फिल्म 'टशन'

अक्षय कुमार, सैफ अली खान, अनिल कपूर और करीना कपूर जैसे सुपरस्टार्स से सजी फिल्म टशन 25 अप्रैल 2008 में बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई थी। ऐसे में फिल्म को रिलीज हुए 17 साल से ज्यादा हो चुके हैं। वैसे तो ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। लेकिन, रिपोर्ट के अनुसार इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान सैफ अली खान और करीना कपूर की लव स्टोरी परवान चढ़ी थी। इतना ही नहीं इस फिल्म के लिए एक्ट्रेस ने अपना जीरो फिगर मेंटेन किया था, जिसकी खूब चर्चा हुई थी। ऐसे में आज भी कुछ ऐसे फैंस है जो इस फिल्म को देखना चाहते हैं। उनके लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है।

दरअसल, करीना कपूर और सैफ अली खान की फिल्म टशन नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो चुकी है। ऐसे में घर बैठे आप इस फिल्म का लुफ्त उठा सकते हैं। आपको बता दें कि इस फिल्म के लिए करीना कपूर ने अपना वजन कम करके जीरो फिगर हासिल किया था, जिसके लिए वो काफी सुर्खियों में रहीं।

हालांकि, एक्ट्रेस ने कहा कि जीरो फिगर के लिए एक्ट्रेस ने खुद को भूखा नहीं रखा था, बल्कि योग और हेल्दी डाइट से टोन्ड किया।इस फिल्म के गाने, खासकर छलिया को आज भी काफी पसंद किया जाता है और ये सॉन्ग काफी हिट हुए थे।करीना कपूर ने एक इंटरव्यू के दौरान ट्विंकल खन्ना से अपनी लव स्टोरी के बारे में बात की थी। करीना कपूर ने इंटरव्यू में कहा था कि मेरा और सैफ का कुछ तो कनेक्शन था। क्योंकि, मैं और सैफ बहुत टाइम से साथ में फिल्म करने वाले थे मगर आखिरी में मैं हमेशा ना कह देती थी। हमने कभी साथ में फिल्म नहीं की। आखिरकार ये फिल्म हुई और मुझे नहीं पता चला ये कैसे हुआ।

बॉलीवुड | मन की बात

बच्चों की परवरिश दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती है : अर्जुन रामपाल

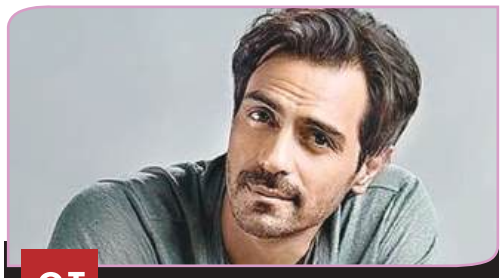

अर्जुन रामपाल फिल्म धुरंधर में बेहतरीन अदाकारी को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके अलावा वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने गैब्रिएला डेमेट्रियड्स से सगाई कर ली है। उन्होंने बताया है कि अपनी पहली पत्नी से तलाक के बाद उन्होंने अपनी बेटियों की परवरिश की है। बेटियों की परवरिश करते हुए रिश्तों को लेकर उनकी समझ बदली है। साल 2018 में अपनी पूर्व पत्नी मेहर जेसिया से अलग होने के बाद अर्जुन रामपाल का नाम गैब्रिएला डेमेट्रियड्स के साथ जुड़ा। इस बीच उन्होंने अपनी बेटियों माहिका और मायरा की परवरिश जारी रखी। छह साल तक एक साथ रहने के बाद अब उन्होंने सगाई की है। रिया चक्रवर्ती से बातचीत में अर्जुन रामपाल ने बताया कि बच्चों की परवरिश जिंदगी का सबसे मुश्किल रोल है। धुरंधर एक्टर ने कहा, बच्चों की परवरिश दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती है। छोटी-छोटी चीजों के लिए भी उन्हें आपसे चिपके रहना पड़ता है और वे हमेशा आपके आस-पास रहते हैं। आप उनके लिए सब कुछ होते हैं। जब उन्हें अपने छोटे पंख मिलते हैं और वे आपके घोंसले से बाहर उड़ना शुरू करते हैं, तब आप अचानक उनकी निगरानी करने वाले बन जाते हैं। अभिनेता ने इस बात पर जोर दिया कि परवरिश का मतलब कंट्रोल करना नहीं है। उन्होंने कहा, उन्हें (बच्चों को) पता है कि आप हमेशा उनके साथ रहेंगे। लेकिन यह आसान नहीं है। वे बॉयफ्रेंड, दोस्तों, अपनी जिंदगी के बारे में बातें करती हैं। हालांकि उनकी दुनिया में आप दाखिल नहीं हो सकते। उन्होंने बताया कि जब हम बच्चे होते हैं तब हमें लगता है कि हम सब कर सकते हैं। लेकिन जब हमारे बच्चे होते हैं तो लगता है कि चीजें उतनी आसान नहीं थीं। तब हम अपने माता-पिता की तरफ लौटते हैं। पारिवारिक जीवन के साथ अर्जुन रामपाल प्रोफेशनल तौर पर भी काफी सफल हो रहे हैं। वह फिलहाल आदित्य धर की फिल्म धुरंधर की सफलता का आनंद ले रहे हैं।

दुनिया की सबसे महंगी कॉफी बनती है इस जानवर के मल से, कीमत जानकर उड़ जाएंगे आपके होश!

दुनियाभर में कॉफी के शौकीन लोग हमेशा कुछ अलग और खास की तलाश में रहते हैं। ऐसी ही एक कॉफी है, जिसे दुनिया की सबसे महंगी कॉफी माना जाता है, लेकिन इसकी कहानी और बनने की प्रक्रिया के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। कोपी लुवाक नाम की यह कॉफी उन बीन्स से तैयार की जाती है, जो एशियाई पाम सिवेट नाम के जानवर के पाचन तंत्र से होकर गुजरती हैं। यह बिल्ली जैसे दिखने वाला छोटा स्तनधारी इंडोनेशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के कई इलाकों में पाया जाता है और स्थानीय भाषा में इसे लुवाक कहा जाता है। खास बात यह है कि यह जानवर केवल पूरी तरह पकी और बेहतरीन क्वालिटी वाली कॉफी चेरी ही खाता है। कोपी लुवाक को खास बनाने में सिवेट की यही आदत अहम भूमिका निभाती है। यह जानवर एक प्राकृतिक क्वालिटी चेकर की तरह काम करता है और खराब या कच्ची चेरी को नजरअंदाज कर देता है। इसी वजह से केवल सबसे अच्छी क्वालिटी की कॉफी बीन्स ही आगे की प्रक्रिया तक पहुंच पाती हैं। जब सिवेट कॉफी चेरी खाता है, तो उसका गूदा पच जाता है, लेकिन बीन्स सुरक्षित रहती हैं। जानवर के पेट में मौजूद नेचुरल एंजाइम्स के कारण बीन्स में एक खास तरह की फर्मेंटेशन प्रक्रिया होती है, जिससे कड़वाहट कम हो जाती है और कॉफी का स्वाद ज्यादा स्मूद और रिच बनता है। पाचन के बाद ये बीन्स मल के साथ बाहर निकलती हैं। इसके बाद इन्हें सावधानीपूर्वक इकट्ठा किया जाता है, अच्छी तरह साफ किया जाता है, धूप में सुखाया जाता है और फिर रोस्ट किया जाता है। पूरी प्रक्रिया के बाद तैयार कॉफी पूरी तरह हाइजीनिक और पीने के लिए सुरक्षित होती है। इस कॉफी की कीमत बेहद ज्यादा होने की वजह इसकी सीमित उपलब्धता है। सिवेट से बहुत कम मात्रा में ही इस्तेमाल लायक बीन्स मिल पाती हैं और इन्हें इकट्ठा करने की प्रक्रिया भी काफी मेहनत वाली होती है। चूंकि इसका प्रोडक्शन बड़े स्तर पर नहीं किया जा सकता, इसलिए इसकी सप्लाई सीमित रहती है और यह लग्जरी कैटेगरी में शामिल हो जाती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कोपी लुवाक कॉफी की कीमत करीब 60,000 रुपये से 70,000रुपये प्रति किलोग्राम तक होती है। वहीं विदेशों के लग्जरी कैफे और फाइव स्टार होटलों में एक कप की कीमत 3,000 से 5,000 रुपये के बीच हो सकती है।

अजब-गजब | झारखंड का रहस्यमयी गांव!

यहां राजा-रानी, हाथी-घोड़े सब बन गए पत्थर!

धनबाद। धनबाद शहर से करीब 20 किलोमीटर दूर दर घटना टाउनशिप के ठीक पीछे स्थित डोकरा पंचायत का एक छोटा सा गांव है। वो आज भी रहस्य और आस्था का केंद्र बना हुआ है। यहां मौजूद विशाल पत्थर की आकृतियां जिन्हें स्थानीय लोग राजा-रानी हाथी, घोड़ा, शेषनाग और ढोल नगाड़ों के रूप में देखते हैं। सदियों पुरानी एक लोककथा को जीवित रखे हुए हैं। गांव वालों का विश्वास है कि ये सभी किसी समय राजा-रानी की बारात का हिस्सा थे, जो एक श्राप के कारण पत्थर की मूर्तियों में बदल गए।

गांव की बहू गायत्री बताती हैं कि उन्होंने यह कहानी पिछले 17 वर्षों से अपनी सास-ससुर से सुनी है। लोकमान्यता के अनुसार, किसी कुलदेवी ने राजा-रानी की बारात को चेतावनी दी थी कि यदि सूर्योदय से पहले वर-वधू की विदाई नहीं हुई, तो पूरी बारात पत्थर में बदल जाएगी। कहा जाता है कि रात में विश्राम के बाद जैसे ही राजा-रानी अपने काफिले के साथ आगे बढ़े। तभी मुर्गे की बांग सुनाई दी और सूरज उग आया। उसी क्षण राजा-रानी, हाथी-घोड़े, शेषनाग और ढोल-नगाड़े सब पत्थर की आकृतियों में तब्दील हो गए। स्थानीय निवासी युधिष्ठिर कुमार बताते हैं कि वे पिछले 50 वर्षों से यहां रह रहे हैं। मजदूरी कर परिवार चलाने के बावजूद वे जब भी समय मिलता है, शेषनाग की पूजा करते हैं और इन्हीं पत्थरों के पास बैठते हैं।

उनका कहना है कि कई बार उन्हें यहां ढोल-नगाड़ों जैसी आवाजें सुनाई देती हैं। आसपास के गांवों और बैलगाड़ी टाउनशिप में आने वाले लोग भी इस पत्थर की पहाड़ी को देखने जरूर आते हैं। बुजुर्गों का दावा है कि यह कहानी बिल्कुल सच्ची है और पीढ़ियों से चली आ रही है। अमित बावरी, जो पिछले 15 वर्षों से बैलगाड़ी टाउनशिप में रह रहे हैं। कहते हैं कि वे भी इस कथा को बचपन से सुनते आए हैं। उनके अनुसार यह स्थान एक अजीब-सी शांति और रहस्य का एहसास कराता है। उन्होंने यह भी बताया कि वर्षों पहले 7-8 हाथियों ने मिलकर इन चट्टानों को हिलाने की कोशिश की थी, लेकिन वे अपनी जगह से टस से मस नहीं हुई। इसी कारण लोग मानते हैं कि यहां किसी प्रकार का श्राप या दैवीय शक्ति जुड़ी हुई है। आज यह स्थान केवल आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि पिकनिक स्पॉट भी बनता जा रहा है। परिवार के साथ आने वाले लोग शेषनाग की पूजा-अर्चना करते हैं। राजा-रानी की मानी जाने वाली चट्टानों को देखते हैं और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेते हैं। स्थानीय लोगों की मांग है कि इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए और एक छोटा मंदिर बनाया जाए, ताकि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सुविधा मिल सके।

जहां एक ओर लोककथाएं और आस्था इस स्थान को रहस्यमय बनाती हैं। वहीं वैज्ञानिक दृष्टिकोण कुछ और ही कहानी कहता है। भू-वैज्ञानिकों के अनुसार, इस तरह की आकृतियां प्राकृतिक क्षरण, हवा-पानी के प्रभाव और लाखों वर्षों की भू-प्रक्रियाओं से बनती हैं। चट्टानों का आकार कई बार मानव या जानवरों जैसा प्रतीत होता है। जिसे पैरेडोलिया कहा जाता है। यानी दिमाग का आकृतियों में परिचित रूप देख लेना। ढोल-नगाड़ों जैसी आवाजें भी हवा के बहाव, चट्टानों की संरचना और तापमान में बदलाव के कारण पैदा होने वाली प्राकृतिक ध्वनियां हो सकती हैं। डोकरा पंचायत का यह गांव आज आस्था और विज्ञान दोनों के बीच खड़ा नजर आता है। एक ओर सदियों पुरानी लोककथाएं हैं, जो लोगों की पहचान और विश्वास का हिस्सा बन चुकी हैं। दूसरी ओर वैज्ञानिक तथ्य हैं, जो इसे प्रकृति की अद्भुत रचना बताते हैं। सच चाहे जो भी हो, इतना तय है कि यह स्थान धनबाद जिले की सांस्कृतिक विरासत और लोकविश्वास का अनमोल उदाहरण है।

इस्तीफा दें पीएम एवं गृहमंत्री

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा- गांधी परिवार को सताया जा रहा है

» खरगे ने नेशनल हेरल्ड पर फैसला आने के बाद भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'नेशनल हेराल्ड' मामले में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और पांच अन्य के खिलाफ धन शोधन को लेकर प्रवर्तन निदेशालय के आरोप पत्र पर संज्ञान लेने से अदालत द्वारा इनकार किए जाने का हवाला देते हुए बुधवार को कहा कि अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को इस्तीफा दे देना चाहिए। खरगे ने यह आरोप भी लगाया कि यह मामला गांधी परिवार को परेशान करने के लिए राजनीतिक प्रतिशोध के तहत दर्ज कराया गया है।

दिल्ली की एक अदालत ने 'नेशनल हेराल्ड' मामले में कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी, सोनिया गांधी और पांच अन्य के खिलाफ धन शोधन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोप पत्र पर संज्ञान लेने से मंगलवार को इनकार कर दिया। खरगे ने संवाददाताओं से कहा, यह मामला राजनीतिक प्रतिशोध के तहत दर्ज किया गया है... यह गांधी परिवार को सताने के लिए किया गया है। इसमें कुछ भी नहीं है और कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई। उन्होंने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में फैसला आने के बाद अब नरेन्द्र मोदी और अमित शाह को इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा, यह फैसला प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह के मुंह पर तमाचा है। उन्हें एक राजीनामा देना चाहिए कि भविष्य में वे लोगों को सताने का काम नहीं करेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि ये राजनीतिक प्रतिशोध का मामला है। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है और गांधी परिवार को सताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ईडी का दुरुपयोग कर कई सांसदों-विधायकों को अपने पाले में कर कई राज्यों में सरकार बनाई गई। उन्होंने कहा कि हम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं। सत्य की हमेशा जीत होती है। उन्होंने पीएम मोदी और अमित शाह से इस्तीफे की मांग भी की।

जांच एजेंसियों का कैसे दुरुपयोग किया गया : अभिषेक सिंघवी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि जांच एजेंसियों का कैसे दुरुपयोग किया जाता है, नेशनल हेराल्ड मामला इसका एक प्रमाण है। उन्होंने कहा कि इस मामले में न तो पैसे का कोई लेनदेन हुआ है और ना ही संपत्ति का कोई हस्तांतरण हुआ है तो फिर धन शोधन का सवाल कहां उठता है। उन्होंने कहा, नेशनल हेराल्ड का मामला द्वेष से प्रेरित तो है ही, बल्कि लापरवाही से भी भरा है। इस मामले में कल जो फैसला आया, वह सत्ता के दबाव पर संविधान का अंतिम प्रभाव है। सिंघवी ने कहा कि इस केस में सत्ता के दवाब पर संविधान का अंतिम प्रभाव पड़ा है. 2021 से 25 के बीच में ईडीने राहुल गांधी ने 50 घंटे, खरगे को 6 घंटे, सोनिया गांधी को 8 घंटे पूछताछ के लिए बुलाया. ये 2014 में सुब्रह्मण्यम स्वामी की शिकायत से शुरू हुआ, उन्होंने CBI ED को सब लिखा था। 2014 से 2021 तक सीबीआई,ईडी ने अपनी फाइल्स में लिखा इसमें कोई प्रेडिक्ट ऑफेंस नहीं बनता है। उसके बाद अचानक 2021 में जून में अचानक एकदम पहले कार्यवाही एफआईआर फाइल कर दी, कल जज ने उसका संज्ञान लेने से मना कर दिया है, ये जांच एजेंसी के दुरुपयोग का बड़ा मामला बनता है।

अब पराली नहीं जल रही फिर भी दिल्ली में प्रदूषण का संकट क्यों : मान

» पंजाब के मुख्यमंत्री ने भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और कहा कि भाजपा के नेता पराली जलाने को लेकर पंजाब के किसानों को 'बदनाम' करते थे और दिल्ली की खराब वायु गुणवत्ता के लिए उन्हें दोषी ठहराते थे, लेकिन अब यहां कोई पराली नहीं जलाई जा रही फिर एनसीआर में प्रदूषण का संकट क्यों है। मान ने कहा कि धान की कटाई होते ही भाजपा नेता दिल्ली की खराब वायु गुणवत्ता के लिए पंजाब और उसके किसानों को दोषी ठहराने लगते थे। उन्होंने कहा कि वे पहले दावा करते थे कि पंजाब के किसानों द्वारा पराली जलाने से दिल्ली में प्रदूषण होता है। मान ने कहा कि वर्तमान में पंजाब के प्रमुख शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 70 से 130 के बीच है।

मान ने एक वीडियो संदेश में कहा, फिलहाल दिल्ली का एक्यूआई 450 से 500 के बीच है और पंजाब से कोई धुआं नहीं आ रहा है लेकिन दिल्ली में स्थिति बदतर है। कम से कम अब तो उन्हें यह मानना चाहिए कि दिल्ली की खराब वायु गुणवत्ता के लिए पंजाब की कोई भूमिका नहीं है। मान की ये टिप्पणी उस दिन आई जब दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण संकट के लिए माफी मांगी और बच्चों के स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव को स्वीकार किया। हालांकि सिरसा ने दावा किया कि यह पिछली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार द्वारा अपनाई गई नीतियों का परिणाम हैं।

एआईयूडीएफ से गठबंधन नहीं होगा : गौरव गोगोई

» असम विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस की रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने एआईयूडीएफ को 'सांप्रदायिक' संगठन बताया और कहा कि 2026 के विधानसभा चुनावों में विपक्षी पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। पहले ही, आठ विपक्षी दलों ने राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा को हराने के लिए अगले साल के विधानसभा चुनावों में एकजुट होकर चुनाव लड़ने का फैसला कर लिया है। गोगोई ने यहां पत्रकारों से कहा, किसी भी परिस्थिति में एआईयूडीएफ के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। यह भी सत्ताधारी भाजपा की तरह एक सांप्रदायिक पार्टी है।

हम एक सांप्रदायिक ताकत को हराने के लिए दूसरी समान सांप्रदायिक ताकत के साथ हाथ नहीं मिला सकते। असम में 2021 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन में 'ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट' (एआईयूडीएफ) एक घटक दल था। गोगोई ने दावा किया, भाजपा पहले ही देख चुकी है कि मौजूदा नेतृत्व में उसके भविष्य की संभावनाएं बहुत अच्छी नहीं हैं। शीर्ष नेतृत्व को इस बात का एहसास है कि भाजपा के सच्चे कार्यकर्ता पार्टी से निराश हो रहे हैं। मंत्रियों और कुछ करीबी सहयोगियों को फायदा हुआ है, लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं को कुछ भी हासिल नहीं हुआ है।

भाजपा ने जनता के साथ 72 प्रतिशत का किया धोखा : टीकाराम

» सरकार के वादों पर नेता प्रतिपक्ष जूली ने दी सीएम को डिबेट की चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान की भजनलाल सरकार अपने कार्यकाल के 2 साल पूरे होने का जश्न मना रही है। दो वर्षों में किए कामों को लेकर हर जिले में प्रचार रथ भेजे गए हैं। वहीं कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार को चुनौती दी है कि सरकार जो वादे पूरे करने का दावा कर रही है उस पर मैं सीएम भजनलाल शर्मा से डिबेट करने के लिए तैयार हूं। जूली ने भजनलाल सरकार के दो साल के कार्यकाल को पूरी तरह विफल बताते हुए सरकार के 72प्रतिशत वादे पूरे के दावे को प्रदेश की जनता के साथ 72 प्रतिशत का धोखा करार दिया।

उन्होंने कहा कि दो साल में सरकार ने एक भी प्रेस कान्फ्रेंस नहीं की, यह दिखाने के लिए काफी है कि सरकार मीडिया और जनता के प्रति कितनी गंभीर है। आर्थिक हालात पर हमला बोलते हुए जूली ने कहा कि सरकार कर्ज लो और घी पियो की नीति पर चल रही है और दो साल में 1.55 लाख करोड़ रुपये का कर्ज बढ़ा दिया गया है। विकास कार्यों की तुलना में ब्याज भुगतान पर ज्यादा खर्च हो रहा है, जिससे प्रदेश का विकास ठप पड़ा है। केंद्र से मिलने वाली सहायता भी अपेक्षा के अनुरूप नहीं मिली और बजट घोषणाओं में से केवल 27 प्रतिशत ही पूरी हुई हैं।

संकल्प पत्र के वादों की हकीकत रखी सामने

नेता प्रतिपक्ष ने संकल्प पत्र के वादों की हकीकत सामने रखते हुए कहा कि किसान सम्मान निधि में 12,000 रुपए के वादे के बावजूद किसानों को केवल 9,000 रुपए दिए गए, जो सीधी वादाखिलाफी है। जल जीवन मिशन के तहत 2025 तक हर घर जल का लक्ष्य विफल हो चुका है और 34 लाख घर आज भी प्यासे हैं। एमएसपी पर मूंग, उड़द और मूंगफली की खरीद के वादे पूरे नहीं हुए, किसान टोकन के लिए भटक रहे हैं, जबकि गेहूं और बाजरे की स्स्क्कका वादा भी अधूरा है। पारदर्शी स्थानांतरण नीति के नाम पर प्रदेश में तबादला उद्योग चल रहा है और करीब 8 लाख कर्मचारी ठगे गए हैं। स्कूल ड्रेस योजना में 1200 रुपए के वादे के मुकाबले 600 रुपए ही दिए जा रहे हैं और उसमें भी गरीब वर्गों के साथ भेदभाव किया गया है।

पंजाब में जिला परिषद पंचायत समिति चुनाव नतीजों में आप का जलवा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में निकाय चुनाव रिजल्ट आना शुरू हो गए हैं। पंजाब की जिला परिषद और पंचायत और ब्लॉक समितियों के लिए हुए चुनाव के बाद आज मतगणना हो रही है। अभी तक के नतीजों में आम आदमी पार्टी आगे दिख रही है,जबकि कांग्रेस और अकाली दल काफी पीछे हैं। भाजपा को भी कोई लाभ नहीं हो रहा है।

पंजाब में ब्लॉक कमेटी की 2682 सीट और जिला परिषद की 342 सीट पर वोटिंग हुई थी। ब्लॉक की सीटों पर 8,314 उम्मीदवार मैदान में थे। जिला परिषद की सीटों के लिए 1265 प्रत्याशियों ने किस्मत आजमाई थी। दोनों चुनावों में 196 उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं। पंजाब निकाय चुनाव में 13 दिसंबर को हुई वोटिंग में 48 फीसदी मत पड़े थे। राज्य चुनाव आयोग कुछ जगहों पर मामूली झड़पों के अलावा शांतिपूर्ण मतदान का दावा किया था।

सीरीज पर कब्जा करने के इरादे से उतरेगा भारत

» अफ्रीका से चौथा टी20 मैच आज, गिल और सूर्या के प्रदर्शन पर रहेंगी नजरें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। साउथ अफ्रीका और भारत के बीच टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज के तीन मैच हो चुके हैं। इसमें से दो मैच टीम इंडिया ने अपने नाम किए हैं, वहीं एक मैच में साउथ अफ्रीका की टीम ने जीत दर्ज की है। यानी टीम इंडिया अभी सीरीज में आगे है। सीरीज का चौथा मुकाबला 17 दिसंबर को खेला जाएगा। ये मुकाबला लखनऊ के इकाना स्टेडियम में होना है। ये सीरीज का अहम मैच होगा। इस मैच को जीत कर भारत सीरीज पर कब्जा करना चाहेगी। वहीं साउथ अफ्रीका की कोशिश बराबरी पर आने की होगी।

कुल मिलाकर इतना तो तय लग रहा है कि यह मैच काफी रोचक होगा। हलांकि भारतीय टीम के कप्तान सूर्य कु मार यादव और उपकप्तान शुभमन गिल का प्रदर्शन चिंता का विषय बना हुआ है। वैसे तो भारत बनाम साउथ अफ्रीका टी20 सीरीज अभी तक करीब करीब बराबरी की रही है। सीरीज का पहला मैच जहां भारतीय टीम ने 101 रन के बड़े अंतर से अपने नाम किया था, वहीं दूसरे मैच में वापसी करते हुए साउथ अफ्रीका ने 51 रन से जीत लिया। इसके बाद तीसरे मैच में फिर से टीम इंडिया ने पलटवार किया और 7 विकेट से मैच जीतने में कामयाबी हासिल की। वहीं सीरीज का आखिरी और पांचवां मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम अहमदाबाद में खेला जाएगा। ये मैच 19 दिसंबर को होगा। ये साउथ अफ्रीका की लंबी सीरीज का आखिरी मैच होगा। देखना होगा कि आखिरी दो मुकाबलों में दोनों टीमें कैसा प्रदर्शन करती हैं।

आईपीएल 2026 नीलामी में मरून ग्रीन 25.20 करोड़ में बिके

आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन का अबु धाबी में आयोजन हुआ। इस नीलामी के बाद कुल 77 खिलाड़ियों की किस्मत खुली। कैमरन ग्रीन 25.20 करोड़ में बिकने वाले सबसे महंगे खिलाड़ी रहे, जिन पर केकेआर ने बोली लगाई। इसके साथ ही कैमरून ग्रीन आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं। वहीं यूपी के प्रशांत वीर पर सीएसके ने 14 करोड़ से ज्यादा की बोली लगाकर उन्हें आईपीएल इतिहास का सबसे महंगा अनकैप्ड भारतीय बना दिया। आईपीएल 2026 ऑक्शन से पहले सभी टीमों के मिलाकर कुल 77 स्लॉट खाली थे और खास बात यह रही कि सभी 77 स्लॉट इस बार फुल हो गए हैं। यानी सभी टीमों ने 25-25 खिलाड़ियों का स्क्वाड तैयार कर लिया है। आईपीएल में 2008 से 2025 तक शायद ही कभी ऐसा हुआ होगा कि टीमों ने अधिकतम 25 खिलाड़ियों की संख्या पूरी की होगी।

भाजपा की 'नफरत की राजनीति' के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

» मनरेगा को बदलने और नेशनल हेराल्ड मामले में दिखा आक्रोश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेलगावी। कर्नाटक कांग्रेस नेताओं ने बुधवार को बेलगावी के सुवर्ण सौधा में गांधी प्रतिमा के पास केंद्र सरकार के खिलाफ नेशनल हेराल्ड मामले और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का नाम बदलकर वीबी-जी राम जी करने के फैसले के विरोध में प्रदर्शन किया। यहां सुवर्णा विधान सौध में गांधी प्रतिमा के सामने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन में मंत्रियों, विधायकों और विधान परिषद सदस्यों ने भाग लिया।

राज्य के बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एम. बी. पाटिल ने यहां पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस कार्यक्रम की सफलता को पचा नहीं पाई और इसलिए उन्होंने अब इसका नाम बदल दिया है। उन्होंने कहा, ''वर्तमान में चल रहा यह सफल कार्यक्रम डॉ. मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी द्वारा शुरू किया गया था। यह कार्यक्रम बहुत सफल रहा, जिससे उन लोगों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिला जो काम के लिए दूसरे राज्यों और गांवों में नहीं जा सकते थे। साथ ही गांवों में विकास भी हुआ। उन्होंने कहा कि यह भारत के इतिहास का सबसे सफल कार्यक्रम था। भाजपा इसे पचा नहीं पाई और अब उन्होंने इसका नाम बदल दिया है। उन्होंने कहा, ''जब इस योजना में महात्मा गांधी का नाम पहले से ही मौजूद था -राष्ट्रपिता जिन्होंने हमें आजादी दिलाई, तो उनका नाम क्यों हटाया गया? भाजपा हताश है; वे योजना की सफलता को बर्दाश्त नहीं कर सके और इतना नीचे गिर गए।'' राज्य के जिला और तालुक केंद्रों पर भी इसी तरह के विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई गई है। पार्टी राज्य विधानसभा में भी इन मुद्दों को उठाने की योजना बना रही है। कांग्रेस यह विरोध प्रदर्शन तब कर रही है जब सरकार ने मंगलवार को लोकसभा में 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' पेश किया, जो महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के स्थान पर लाया गया है। साथ ही दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी, सोनिया गांधी और पांच अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय द्वारा लगाए गए धन शोधन के आरोप का संज्ञान लेने से इनकार कर दिया।

नेशनल हेराल्ड भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा हुआ था : डीके शिवकुमार

प्रदर्शन के दौरान उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि नेशनल हेराल्ड भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा हुआ था। उन्होंने कहा, नेशनल हेराल्ड देश का गौरव है, जिसे जवाहरलाल नेहरू ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान स्थापित किया था, और इस मामले में केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई पर सवाल उठाया।

विपक्षी सांसदों ने किया संसद भवन परिसर में विरोध प्रदर्शन, लगाए सत्यमेव जयते के नारे

बुधवार को कई विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस सांसदों ने सत्यमेव जयते; सत्य की जीत! के नारे वाले पोस्टर पकड़े हुए थे। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी नेशनल हेराल्ड में सरकार द्वारा अपनाई जा रही प्रतिशोधात्मक राजनीति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। इससे पहले आज, कर्नाटक कांग्रेस के नेताओं ने बेलगावी के सुवर्ण सौधा स्थित गांधी प्रतिमा के पास नेशनल हेराल्ड मामले और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) का नाम बदलकर वीबी-जी राम जी रखने के केंद्रीय सरकार के फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

मणिपुर में फिर बढ़ा तनाव,बिष्णुपुर जिले में गोलीबारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले के बाहरी इलाकों में गोलीबारी के कारण अशांत राज्य में तनाव फिर से बढ़ गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चूड़ाचांदपुर जिले की सीमा से लगे तोरबंग और फौगाकचाओ इखाई इलाकों के पास कई बार गोलीबारी की गई। एक अधिकारी ने कहा, ''हम गोलीबारी के कारण और उसके मकसद का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।''

पहाड़ी इलाकों के पास हुई ताजा गोलीबारी से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। अधिकारी ने बताया कि एहतियात के तौर पर अतिरिक्त सुरक्षा बलों को घटनास्थल पर भेजा गया है। केंद्र सरकार ने मणिपुर में 2023 में हुए हिंसक हादसों की जांच के लिए गठित आयोग को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए मंगलवार को एक बार फिर अवधि बढ़ाते हुए 20 मई, 2026 तक का समय दिया।केंद्र सरकार ने मणिपुर में 2023 में हुए हिंसक हादसों की जांच के लिए गठित आयोग को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए मंगलवार को एक बार फिर अवधि बढ़ाते हुए 20 मई, 2026 तक का समय दिया। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि आयोग अब अपनी रिपोर्ट केंद्र सरकार को जितनी जल्दी हो सके, लेकिन 20 मई, 2026 से पहले सौंपेगा।

पृथ्वीराज चव्हाण के बयान पर सियासी घमासान

» फिर बाहर निकला ऑपरेशन सिंदूर का जिन्न

» कांग्रेस ने झाड़ा, पूर्व सीएम ने नहीं मांगी माफी, कांग्रेस व भाजपा में वार-पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर दिए गए अपने विवादित बयान पर घमासान मच गया है। भाजपा ने कांग्रेस को सेना विरोधी बताते हुए उस पर तीखा हमला बोला है। उधर कांग्रेस नेता ने इस बयान को वापस लेने के मामले पर झुकने से साफ इनकार कर दिया है।

बुधवार को मीडिया से बात करते हुए चव्हाण ने दो टूक कहा, मैं माफी नहीं मांगूंगा। मैंने कुछ भी गलत नहीं कहा है और खेद जताने की कोई जरूरत नहीं है। चव्हाण के इस रुख ने उस आग में घी डालने का काम किया है, जिसे लेकर भारतीय जनता पार्टी संसद के चालू सत्र में कांग्रेस को घेरने की पूरी तैयारी कर चुकी है। हाल ही में पुणे में आयोजित एक कार्यक्रम में पृथ्वीराज चव्हाण ने दावा किया था कि मई में पाकिस्तान के साथ ऑपरेशन सिंदूर के पहले ही दिन भारत की हार हुई थी। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तानी सेना ने पहले दिन भारतीय सैन्य विमानों को मार गिराया था, जिसके कारण भारतीय वायु सेना पूरी तरह ग्राउंडेड हो गई थी।

आज सुबह अपने बयान पर कायम रहते हुए उन्होंने कहा, मैं अब और कुछ नहीं कहना चाहता लेकिन माफी नहीं मांगूंगा इसकी कोई जरूरत नहीं है।

सेना का अपमान कांग्रेस की पहचान : पूनावाला

चव्हाण के इस बयान के बाद भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। भाजपा नेताओं ने इसे राष्ट्रविरोधी और पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा को बढ़ावा देने वाला बताया है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा,सेना का अपमान करना कांग्रेस का हॉलमार्क बन गया है. यह सिर्फ चव्हाण का बयान नहीं है, यह राहुल गांधी की मानसिकता को दर्शाता है. यही कारण है कि पार्टी ऐसे नेताओं पर कोई कार्रवाई नहीं करती।

सेना को गाली देने का अधिकार किसी को नहीं : गिरिराज सिंह

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, सेना के शौर्य को गाली देने का अधिकार किसी को नहीं है। जो लोग ऐसा करते हैं, वे राष्ट्रहित के बारे में कभी नहीं सोच सकते। सांसद बृज लाल ने कहा, कांग्रेस हमेशा से पाकिस्तान समर्थक रही है, जब राहुल गांधी विदेश जाते हैं, तो भारत का अपमान करते हैं. जनता इन्हें सबक सिखाएगी।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा, तीन की जलकर मौत, 1 घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अलवर। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर एक पिकअप में आग लग गई। हादसे में तीन लोग बुरी तरह जल गए और मौके पर ही मौत हो गई। एक गंभीर रूप से झुलसा हुआ व्यक्ति को जयपुर रेफर किया गया। हादसा रैणी थाना क्षेत्र में रात करीब 1 बजे हुआ।

एएसआई मोहम्मद आमीन ने बताया कि अनुमान है कि पिकअप को ड्राइवर साइड की तरफ किसी वाहन ने टक्कर मारी। टक्कर लगते ही पिकअप में आग फैल गई। आग के तेज होने के कारण पिकअप में सवार लोगों के बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। तीनों लोगों के शव सीट पर चिपके हुए मिले। पिकअप में जिंदा जले दो लोग मध्यप्रदेश और एक हरियाणा का रहने वाला था। एएसआई ने बताया कि पिकअप में मिले तीनों शवों की पहचान मोहित (बहादुरगढ़, हरियाणा), दीपेंद्र (सागर, मध्यप्रदेश) और पदम (सागर, मध्यप्रदेश) के रूप में हुई है।

बढ़ते प्रदूषण के बीच दिल्ली सरकार की चेतावनी

50 फीसदी वर्कफ्रॉम होम सिस्टम को शत-प्रतिशत लागू करें: कपिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के बीच रेखा गुप्ता सरकार ने 50 फीसदी वर्क फ्रॉम होम सिस्टम लागू किया था, जिसमें सरकार और निजी सभी कार्यालयों में आधे वर्कफोर्स पर काम करने का आदेश दिया गया था। आज दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने इस नियम पर दोबारा जोर देते हुए इस सख्ती से लागू रखने के निर्देश दिए है।

मंत्री कपिल मिश्रा का कहना है कि दिल्ली के सभी सरकारी और निजी विभागों में 50 फीसदी वर्क फ्रॉम होम लागू है इस नियम को शत प्रतिशत लागू किया जाए. साथ ही मंत्री ने चेतावनी दी है कि अगर डब्ल्यूएपफएच के नियम का उल्लंघन होता है, तो कार्रवाई भी की जा सकती है। रेखा गुप्ता सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने आगे कहा किसी एक्यूएम और पर्यावरण विभाग ने कुछ नियम जारी किए थे। कल से 50प्रतिशत ही अटेंडेंस होगी। दिल्ली के सभी प्रतिष्ठानों को 50 फीसदी वर्क फ्रोम होम करना होगा। ये कल से जारी होगा।

अहमदाबाद: तीन स्कूलों को मिली बम की धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। अहमदाबाद के तीन स्कूलों को आज ईमेल के ज़रिए बम की धमकी मिली। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के जॉइंट पुलिस कमिश्नर शरद सिंघल ने बताया कि पुलिस टीमें संबंधित स्कूलों में मौजूद हैं। बुधवार सुबह अहमदाबाद के कई स्कूलों को बम की धमकी वाले ईमेल मिलने से दहशत फैल गई और छात्रों को बाहर निकाला गया, क्योंकि पुलिस, फायर सर्विस और बम निरोधक टीमों ने पूरे शहर में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया।

पुलिस ने बताया कि जिन स्कूलों को धमकी भरे ईमेल मिले, उनमें वेजलपुर-जीवराज पार्क में ज़ाइडस स्कूल ऑफ़ एक्सीलेंस, ज़ेबर स्कूल फॉर चिल्ड्रन, महाराजा अग्रसेन विद्यालय और डीएवी इंटरनेशनल स्कूल शामिल हैं। इसके तुरंत बाद, निर्माण स्कूल, जेम्स जेनेसिस इंटरनेशनल स्कूल, डिवाइन चाइल्ड स्कूल और आविष्कार स्कूल से भी इसी तरह के ईमेल मिलने की सूचना मिली। अधिकारियों के अनुसार, पहली अलर्ट सुबह करीब 10 बजे मिली, जिसके बाद स्थानीय पुलिस टीमें स्कूलों में पहुंचीं। एहतियात के तौर पर स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप , बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वाड डॉग स्क्वाड और फायर डिपार्टमेंट के कर्मियों को तैनात किया गया, जबकि फायर टेंडर और एंबुलेंस को स्टैंडबाय पर रखा गया।

धमकी वाले ईमेल का विवरण

पुलिस सूत्रों ने बताया कि ईमेल बुधवार सुबह विदेश के एक ईमेल पते से भेजे गए थे। ईमेल की सब्जेक्ट लाइन में बम की धमकी थी, जिसमें दावा किया गया था कि दोपहर करीब 1.11 बजे विस्फोट होंगे। संदेश में अहमदाबाद में कथित विस्फोटों का ज़िक्र किया गया था और इसमें भड़काऊ राजनीतिक और चरमपंथी भाषा के साथ-साथ प्रमुख सार्वजनिक हस्तियों को धमकी दी गई थी। ईमेल में परिणामों की चेतावनी दी गई थी और कथित धमकी को अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक मुद्दों से जोड़कर डर पैदा करने की कोशिश की गई थी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।